बजरी परिवहन के दौरान हत्या की जांच सीबीआई को देने का आदेश

- अदालत ने सी.बी.आई. को कहा है कि वह 60 दिन में मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में पेश करे
- मामले में अधिवक्ता मोहित बलवदा ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत में पेश करते हुए कहा कि गहरी चोट मौत का कारण बनी थी, परंतु राज्य सरकार की ओर से बिलकुल ही विपरीत चिकित्सकीय परामर्श जो अदालत में पेश किया गया था के अनुसार, मृतक शराब का आदि था, ऐसे में उल्टी गले में फंसने के कारण उसकी मौत हुई थी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बजरी परिवहन के दौरान युवक की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। अदालत ने सीबीआई को कहा है कि वह 60 दिन में मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में पेश करे।

जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश अभिषेक और नीरज की जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। मामले में अधिवक्ता मोहित बलवदा ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत में पेश करते हुए कहा कि गहरी चोट मौत का कारण बनी थी, परंतु राज्य सरकार की ओर से बिलकुल ही विपरीत चिकित्सकीय परामर्श जो अदालत में पेश किया गया था के अनुसार, मृतक शराब का आदि था, ऐसे में उल्टी गले में फंसने के कारण उसकी मौत हुई थी। वहीं एफएसएल रिपोर्ट भी उनके खिलाफ नहीं है।

अधिवक्ता बलवदा का कहना था कि अलग-अलग रिपोर्ट के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि जिस चिकित्सक ने यह रिपोर्ट दी है वह बजरी माफिया से जुड़ा हुआ था। बलवदा ने यहां तक कहा कि मामले में एफआईआर भी तीन दिन बाद दर्ज की गई। वह भी तब दर्ज की जब मामले में एमएलए और एमपी ने बोलना शुरू किया।

बलवदा का कहना है कि मामले में एक क्रॉस एफआईआर भी दर्ज की गई थी जिसे सीआईडी को जांच करने को नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सीआईडी को जांच नहीं देने पर कभी कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि जिस दिन से यह वारदात हुई है उस दिन से मृतक जो एससी-एसटी समाज के हैं उन पर दवाब बनाया जा रहा है कि वे मामला वापस ले लें और बजरी माफिया के साथ समझौता कर मुआवजा की राशि ले लें। उन्होंने कहा कि क्योंकि इस मामले में बजरी माफिया/बजरी लीज हॉल्डर प्रभावशाली लोग हैं इसलिये वो मामले की जांच को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिये इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी जाये।

राज्य स्तरीय टीम ने किया प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण

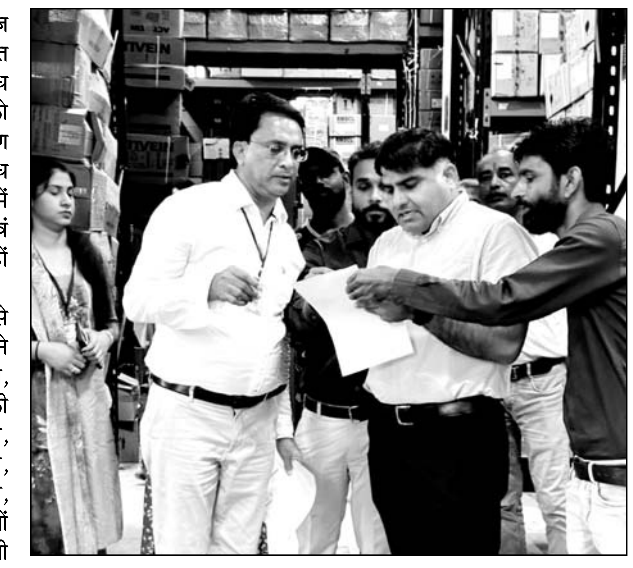

जयपुर । राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के अधीन संचालित समस्त जिला एवं मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार गृहों का 13 एवं 14 अगस्त को राज्य स्तर से गठित टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि के निर्देशन में अधिकारियों ने सभी संभाग एवं संबंधित जिलों में औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण किया।

गिरि ने बताया कि राज्य स्तर से गठित टीम के इन अधिकारियों ने भण्डार गृहों में जल भराव, सीलन, साफ-सफाई एवं नवीन निर्माण की वस्तुस्थिति का जायजा लिया। साथ ही, भण्डार गृहों के अधिकारी, कर्मचारी, पैकर्स एवं अन्य कार्मिकों की उपस्थिति, संबंधित जिलों में जलजनित बीमारियों के उपचार में उपयोग में आने वाली दवाओं की उपलब्धता आदि की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। प्रबंध निदेशक ने बताया कि प्रदेशभर में तेज बारिश के दृष्टिगत औषधि भण्डार गृहों में दवाओं के रख-रखाव की स्थिति की जांच करने के साथ ही इन अधिकारियों ने मौसमी बीमारियों को देखते हुए दवाओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति की जानकारी भी ली और औषधि भण्डार गृहों के अधिकारियों एवं कार्मिकों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राज्य स्तर से गए अधिकारियों ने औषधि भण्डार गृह के परिसर में हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण भी किया।

उल्लेखनीय है कि निरीक्षण के लिए विशेषाधिकारी राजेन्द्र सिंह को जोधपुर, कार्यकारी निदेशक (प्रोक्योरेमेन्ट) हरीश लालवानी को उदयपुर, कार्यकारी निदेशक (वित्त) राजू सूद को अजमेर, कार्यकारी निदेशक (लॉजिस्टिक) डॉ. कल्पना व्यास को दौसा, कार्यकारी निदेशक (ईपीएम) आकाश आल्हा को कोटा, अतिरिक्त निदेशक (आईटी) विक्रम सिंह सांखला को पाली, एजीएम लॉजिस्टिक डॉ. रोहित कुमार मीणा को बांसवाड़ा, एडीसी गुणवत्ता नियंत्रण डॉ.अशोक गुणावत को बीकानेर, औषधि नियंत्रण अधिकारी दीपक शर्मा को सीकर एवं स्टेट नोडल ऑफिसर इन्वेंट्री मैनेजमेंट डॉ. प्रेमसिंह को जयपुर संभाग आवंटित किया गया था। इन अधिकारियों ने जोनल हैडक्वार्टर पर स्थित जिला एवं मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार गृह के साथ ही संभाग के अन्य जिला भण्डार गृह का भी निरीक्षण किया।

राजस्थान पुलिस व आइडियाफोर्ज ने किया जयपुर में ''ड्रोन टेक्नोलॉजी'' का प्रदर्शन

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान पुलिस ने प्रमुख ड्रोन टेक्नोलॉजी कंपनी, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के साथ साझेदारी में, 14 और 15 अगस्त को जयपुर की जनता कॉलोनी, पुलिस लाइन में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस दौरान, स्वतंत्रता दिवस मनाने के साथ उन उत्कृष्ट सेवाएँ देने के एवज में राजस्थान पुलिस पायलट्स का सम्मान भी किया गया। विगत छह वर्षों में, इन समर्पित पायलट्स ने विभिन्न अभियानों में 50 से अधिक आइडियाफोर्ज ड्रोन्स का उपयोग किया, जो सार्वजनिक सुरक्षा और सरकारी सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण को दर्शाता है। बुधवार को इस आयोजन की शुरुआत एक शानदार ड्रोन शो के साथ हुई, जिसमें खोज और बचाव अभ्यास के तहत अत्याधुनिक लंबी दूरी के ड्रोन, उन्नत नेत्र वी4 प्रो की बेहतर क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद, राजस्थान पुलिस ने फोर्स के भीतर एक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें समृद्ध विरासत और प्रतिभाओं का जीवंत प्रदर्शन शामिल था। कार्यक्रम में यह दिखाया गया कि नेत्र वी4 प्रो व्यावहारिक पुलिसिंग में उन्नत तकनीक का उपयोग कैसे करता है। इसके साथ ही, आधुनिक पुलिसिंग में नई तकनीक के सफल उपयोग पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के समापन के समय एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान, पायलट्स को उनके योगदान और लोगों की भलाई के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। 15 अगस्त को, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और समारोह को राजस्थान पुलिस के फेसबुक और यूट्यूब चैनल्स पर लाइव स्ट्रीम किया जायेगा तथा नेत्र वी4 प्रो ड्रोन का शो भी होगा और पायलट्स की उत्कृष्ट सेवा के लिए उनका सम्मान किया जायेगा।

मरीज ने महिला डॉक्टर से की मारपीट

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में एक मरीज ने सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय में डॉक्टर से मारपीट की। मारपीट करने वाला मरीज पेट दर्द होने पर हॉस्पिटल आया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पुलिस ने नौशाद पत्नी रिजवान के खिलाफ मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। सीआई श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया कि महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट में 12 अगस्त को डॉक्टर पूजा वर्मा की ड्यूटी थी। पेट दर्द की शिकायत होने पर वह हॉस्पिटल पहुंची। यहां डॉक्टर पूजा वर्मा चेकअप कर रही थी। इसी दौरान महिला मरीज ने डॉक्टर से मारपीट शुरू कर दी। इस झगड़े की जानकारी मिलने पर अन्य सीनियर डॉक्टर भी वहां पहुंचे। इस पर डॉक्टर पूजा ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस मामले में हॉस्पिटल कर्मचारी रवि कलोसिया की ओर से मरीज के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

न्याय की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, 2 घंटे बाद नीचे उतारा

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय के पास बुधवार को एक न्याय की मांग को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। जानकारी मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। मामला सुबह 11 बजे का है। करीब 2 घंटे की समझाइश के बाद युवक दोपहर 1 बजे नीचे उतरा। वह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा था। इस घटना के बाद विधायकपुरी थाने में नंदलाल (34) पुत्र रथमल प्रजापति निवासी फतेहपुर सीकर से पूछताछ की जा रही है। विधायकपुरी थाना सीआई शेषकर्ण चारण ने बताया कि युवक नंदलाल के खिलाफ सीकर के फतेहपुर में वर्ष 2022 में अपहरण और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया था। एक साल जेल में रहने के बाद वह बाहर आया और उस ने पुलिस को अपने बेगुनाह होने के सबूत दिए। बुधवार को नंदलाल अपने बेगुनाही के सबूत लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा। नंदलाल ने बताया कि उस के खिलाफ जो अपहरण और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज हुई थी वह गलत है। फतेहपुर थाना पुलिस ने उस के खिलाफ दर्ज केस की सही जांच नहीं की, नहीं तो उसे जेल नहीं जाना पड़ता। अब वह उन जांच अधिकारी जिस ने उस के खिलाफ दर्ज झूठे केस की जांच सही नहीं की थी, उस पर कार्रवाई की मांग की हैं। नंदलाल ने विधायकपुरी पुलिस को कई सबूत दिखाए, जिस से वह बेगुनाह साबित हो रहा है। पुलिस ने लिखित में एक रिपोर्ट ली है, जिस में नंदलाल ने मोबाइल टावर पर चढ़ने की वजह लिखी है।

पेपर लीक मामले में 3 जेल प्रहरी गिरफ्तार

- जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2018 प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।
- एसओजी ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 19 अगस्त तक पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है।

जयपुर । स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 की परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व पेपर लीक कर उत्तर कुंजी द्वारा नकल कराने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी ने इन आरोपियों को कोर्ट में पेश जहां उन्हे 19 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 की परीक्षा में पेपर लीक कर उत्तर कुंजी से नकल करवाने के मामले में एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस प्रकरण में बाद जांच के दौरान आपराधिक भूमिका पाए जाने पर हरेन्द्रसिंह निवासी नगला गुठाकर पोस्ट समराया पुलिस थाना वैर जिला भरतपुर हाल जेल प्रहरी जिला कारागृह दौसा, दीपक मेहता निवासी गांव गुगड़िया पोस्ट बसई थाना बहरोड़ सदर जिला कोटपुतली-बहरोड़ हाल जेल प्रहरी उप कारागृह बहरोड़ हाल जेल ट्रेनिंग सेन्टर अजमेर और योगेश कुमार निवासी मंडलाना पोस्ट धरसून पुलिस थाना नारनोल जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा हाल जेल प्रहरी उप कारागृह कोटपुतली को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा अक्टूबर 2018 में ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इस भर्ती परीक्षा में नकल माफिया द्वारा परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व प्रश्न पत्र और उत्तर कुंजी से अभ्यर्थियों को तैयारी करवाकर अनुचित तरीके से जेल प्रहरी के रूप में चयन करवाया। आरोपी हरेन्द्रसिंह, दीपक मेहता एवं योगेश कुमार अनुचित तरीके से परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व प्रश्न पत्र और उत्तर कुंजी पढ़कर चयनित हुए है। आरोपी हरेन्द्र सिंह को जिला कारागृह दौसा, दीपक मेहता को जेल ट्रेनिंग सेन्टर, अजमेर एवं योगेश कुमार को उप कारागृह कोटपूतली से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान कर गिरफ्तार किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने ''राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन' का शुभारंभ किया

मौसमी बीमारियों के प्रबंधन के लिए स्टेट वार रूम गठित होगा

जयपुर, (का.सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में चिकित्सा तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीक का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित कर रही है। इस दिशा में चिकित्सा विभाग ने बजट घोषणा के अनुरूप प्रदेश में आज से राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन का शुभारम्भ किया है। इससे चिकित्सा तंत्र ऑनलाइन होगा और रोगियों के लिए उपचार लेना अधिक सुगम होगा। चिकित्सा मंत्री ने इस दौरान अधिक बारिश से उत्पन्न स्थितियों एवं मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन का शुभारम्भ एवं मौसमी बीमारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने मिशन के शुभारम्भ अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक अरूण गर्ग, सुरक्षा गार्ड प्रेम सिंह एवं सफाई कर्मी राकेश कुमार को आभा आईडी कार्ड प्रदान किए। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में बारिश का दौर चल रहा है। कई स्थानों पर अधिक बारिश होने से जलभराव आदि की समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं। साथ ही, इससे मौसमी बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा है। इसे देखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। खींवसर ने कहा कि मौसमी बीमारियों एवं बारिश से उत्पन्न स्थितियों की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्य स्तर पर वार रूम की स्थापना की जाए। यह वार रूम मौसमी बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने, दवा, जांच एवं उपचार आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आपात स्थितियों के लिए आवश्यक तैयारी रखे। उन्होंने राज्य एवं जिला स्तर पर नियंत्रण कक्षों को भी और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद करते हुए मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और सजगता के साथ आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सिंह ने मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए नियंत्रण कक्ष में आने वाले कॉल्स की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र से अधिक कॉल आएं वहां विशेष इंतजाम सुनिश्चित करें। साथ ही, आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ बनाते हुए रेस्पॉन्स टाइम न्यूनतम किया जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के प्रबंध में लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कार्मिकों को 17 सीसीए के तहत नोटिस देने के निर्देश दिए। सिंह ने चांदीपुरा वायरस को लेकर भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए पशुपालन विभाग से भी आवश्यक सहयोग लिया जाए एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए 69 दवाएं चिन्हित कर उनकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। दवाओं का पर्याप्त बफर स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि बारिश को देखते हुए राज्य स्तर से 11 टीमों का गठन कर औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण करवाया जा रहा है। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने प्रदेश में मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं इसके नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों एवं नवाचारों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम श्री अरूण गर्ग, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. प्रवीण असवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

समाज रत्न से 19 विभूतियाँ सम्मानित

जयपुर । राजस्थान जन मंच ट्रस्ट और परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति की और से बुधवार को यहाँ चैम्बर भवन के भैरोंसिंह शेखावत सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए समाज सेवी आरके अग्रवाल को समाज रत्न शिरोमणि तथा 19 अन्य जनों को समाज रत्न से सम्मानित किया गया। सम्मानितों में रवि खत्री पक्षी सेवा, अरुण किम्मतकर सांस्कृतिक, जगदीश नारायण मीणा अंगदान, डॉ केएम शर्मा उपभोक्ता संरक्षण, कमल नानूवाला समाज संगठन, कैलाश चंद शर्मा चित्रकला, डॉ केशव शर्मा शिक्षा, कोमल गौतम खेल, डॉ ओम प्रकाश मिश्रा पेंटिंग, कविता सक्सेना अंत्योदय, प्रमोद जैन चौरडिया समाज सेवा, राधे श्याम परवाल समाज सेवा, शकुंतला टेलर साहित्य, संतोष विजयवर्गीय नारी सशक्तिकरण, राम प्रताप सैनी मानव कल्याण रोहित विजयवर्गीय समाज संगठन, श्याम सुन्दर स्वर्णकार चिकित्सा सेवा, ताराचंद बुगालिया पर्यावरण संरक्षण, विनोद कुमार जांगीड़ चन्दन कलाकारी शामिल है। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान गट्टानी, कार्यकारी अध्यक्ष अभय नाहर, उपाध्यक्ष डॉ रेखा जैन, महा सचिव कमल लोचन, परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति के संरक्षक आरके अग्रवाल, अध्यक्ष श्याम विजय ने साफा और दुपट्टा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह आदि प्रदान कर सम्मानित किया। ऋतु लोचन ने सभी का परिचय दिया। इस अवसर पर परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति के सचिव श्याम विजय ने समिति के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाभावी कार्यों की जानकारी दी। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के महासचिव कमल लोचन ने आयोजन विषयक जानकारी देते हुए बताया कि समाज रत्न के लिए देशभर से 322 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी जिनमें से 18 लोगों का चयन किया गया। समारोह में युवा विंग के निहित रस्तोगी, अमोलक बैरवा तथा सौम्यता लोचन सहित में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्त्ता और प्रमुख नागरिक उपस्थित थे।

देवनानी अर्पित करेंगे पुष्प चक्र

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 78वें स्वतन्त्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। देवनानी ने देश को आजादी दिलाने वाले सभी स्वतन्त्रता सेनानियों का स्मरण करते हुए कहा है कि गर्व और समर्पण के साथ राष्ट्र के प्रति दायित्वों का निर्वहन करके स्वतन्त्रता सेनानियों के सपनों को साकार करें। विधानसभा में झण्डारोहण स्पीकर वासुदेव देवनानी राजस्थान विधानसभा में स्वतंन्त्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रातः 8:15 बजे झण्डारोहण करेंगे। राजकीय आवास पर झण्डारोहण स्पीकर देवनानी सिविल लाईन स्थित अपने राजकीय आवास पर भी प्रातः 7:30 बजे झण्डारोहण करेंगे। देवनानी ने प्रातः 8:45 बजे यहाँ जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर स्वतंन्त्रता सेनानियों को नमन करेंगे।

रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल जारी

जयपुर। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर के रेजीडेंट्स डॉक्टर्स का विरोध और कार्य बहिष्कार जारी है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स इंडिया के अध्यक्ष डॉ मनोहर सियोल का कहना है कि कोलकाता में जो घटना हुई उससे लगता है कि आज देश में महिला चिकित्सक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में हमारी मांग है कि केंद्र सरकार चिकित्सकों की सुरक्षा को सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करें और जब तक इस एक्ट को लागू करने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक कार्य बहिष्कार जारी करेगा। रेजीडेंट्स का कहना है कि वो नहीं चाहते कि चिकित्सक कार्य बहिष्कार करें, लेकिन मजबूरन उन्हें ये कदम उठाना पड़ रहा है। उधर, रेजीडेंट्स की स्ट्राइक का असर दिखने लगा है। एसएमएस व अन्य बड़े अस्पतालों में इस समय मरीजों को सीनियर डॉक्टर दवाई देकर इलाज किया जा रहा है। मरीजों को कम से कम भर्ती किया जा रहा है। सिर्फ अति गंभीर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। एसएमएस अस्पताल, जनाना अस्पताल, जेके लोन, गणगौरी अस्पताल, जयपुरिया व मेडिकल कॉलेज से संबंधित अन्य अस्पतालों में मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'रन अप' सम्मेलन का आयोजन

किसान साथी एप से घर बैठे ही सिंचाई जल की उपलब्धता की मिलेगी जानकारी : रावत

जयपुर, (का.सं.)। प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त के उपलक्ष्य में आज जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जल संसाधन विभाग, राजस्थान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा श्टचिंग लाइव्स वाइल टचिंग द मून इंडियास स्पेस सागाश् थीम पर एक दिवसीय रन अप सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने इस अवसर पर पार्वती बांध, धौलपुर के कमांड क्षेत्र के काश्तकारों के लिए तैयार किए गए किसान साथी एप का लोकार्पण किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए रावत ने कहा कि किसान साथी एप पार्वती बांध के कैचमेंट एरिया के किसानों को पानी की उपलब्धता और आपूर्ति के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगा। इससे पार्वती सिंचाई परियोजना के 786 वर्ग किलोमीटर कमांड क्षेत्र के 132 गांव के लगभग 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस एप द्वारा किसानों को घर बैठे ही जल की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी और इससे सिंचाई जल के समुचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी बांधों को किसान साथी एप के माध्यम से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश के सभी किसान लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नवाचार करते हुए मार्च माह में बड़े बांधों और नहरों के डिजिटलीकरण के लिए डैशबोर्ड का लोकार्पण भी किया गया था।

रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाए जाने के प्रधानमंत्री के फैसले से भावी पीढ़ी इस दिन को सदैव याद रखेगी और प्रेरणा प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और प्रयासों से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान पहुंचाने वाला विश्व का पहला देश भारत है और यह हमारे लिए गौरव की बात है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से भूजल एवं सतही जल के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसान साथी एप के जरिए किसानों और जल संसाधन विभाग के बीच एक प्रभावी संचार लिंक स्थापित किया गया है।

इस दौरान जल संसाधन विभाग द्वारा जयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित की गई क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। उद्घाटन सत्र को इसरो वैज्ञानिक सागर सांलुखे और जल शक्ति मंत्रालय के वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त कुशाग्र शर्मा ने भी संबोधित किया। मुख्य अभियंता जल संसाधन डी आर मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।